असि.प्रो. चन्दन कुमार
भूगोल विभाग
उदय प्रताप स्वायत्तशासी कॉलेज वाराणसी

chandanbhu891@gmail.com

आपदाओं का कारण क्या है?

वर्तमान समय में समुद्रों के तापमान के बढ़ने से वायुमंडल में जलवाष्प की मात्र बढ़ रही है, जिससे कुछ स्थानों पर तो अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जबकि अन्य स्थानों पर सूखे का भयावह रूप देखने को मिलता है। इसके अतिरिक्त कुछ ऐसे क्षेत्र भी होते हैं जहाँ बाढ़ तथा सूखे की स्थिति एक साथ उत्पन्न हो जाती है| अतः आपदा का प्रभाव बहुत विध्वंसकारी होता है।

विश्व में बढ़ते समुद्री स्तर को मापने के लिये टॉपेक्स/पोसीडॉन (TOPEX/Poseidon) नामक सबसे पहली सेटेलाइट को आज से 25 वर्ष पूर्व लॉन्च किया गया था और तब से लेकर अब तक किये गए समुद्री स्तरों के मापन से इस बात की पुष्टि हुई है कि प्रतिवर्ष समुद्र के वैश्विक स्तर में 3.4 मिलीमीटर की वृद्धि हो रही है। अतः इन 25 वर्षों के दौरान इसमें कुल 85 मिलीमीटर की वृद्धि हुई है। समुद्रों के तापमान में होने वाली वृद्धि और उनका गर्म होना विश्व स्तर पर उष्णकटिबंधीय तूफानों की तीव्रता में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहा है। kko

chandanbhu891@gmail.com

प्रभाव

सबसे कम विकसित देशों पर इन आपदाओं का गहरा प्रभाव पड़ता है तथा ये वहाँ के जन-जीवन के लिये खतरा बन सकती हैं, जबकि विकसित और मध्यम आयवर्ग वाले देशों में बुनियादी ढांचे पर इनका अधिक प्रभाव पड़ता है।

वैश्विक स्तर पर प्रतिवर्ष प्रदूषण से 4.3 मिलियन लोगों की मृत्यु होती है, परन्तु इस पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया जाता। ऊष्मा को अवशोषित करने वाली हरित गृह गैसों का प्रभाव मौसमी घटनाओं पर पड़ता है| अत: इस ओर ही अधिक ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

पिछले दो वर्षों के दौरान उन देशों के 40 मिलियन से अधिक लोगों ने आपदाओं के कारण अपने घर छोड़ दिये, जो वैश्विक तापन में बहुत कम योगदान करते हैं

chandanbhu891@gmail.com

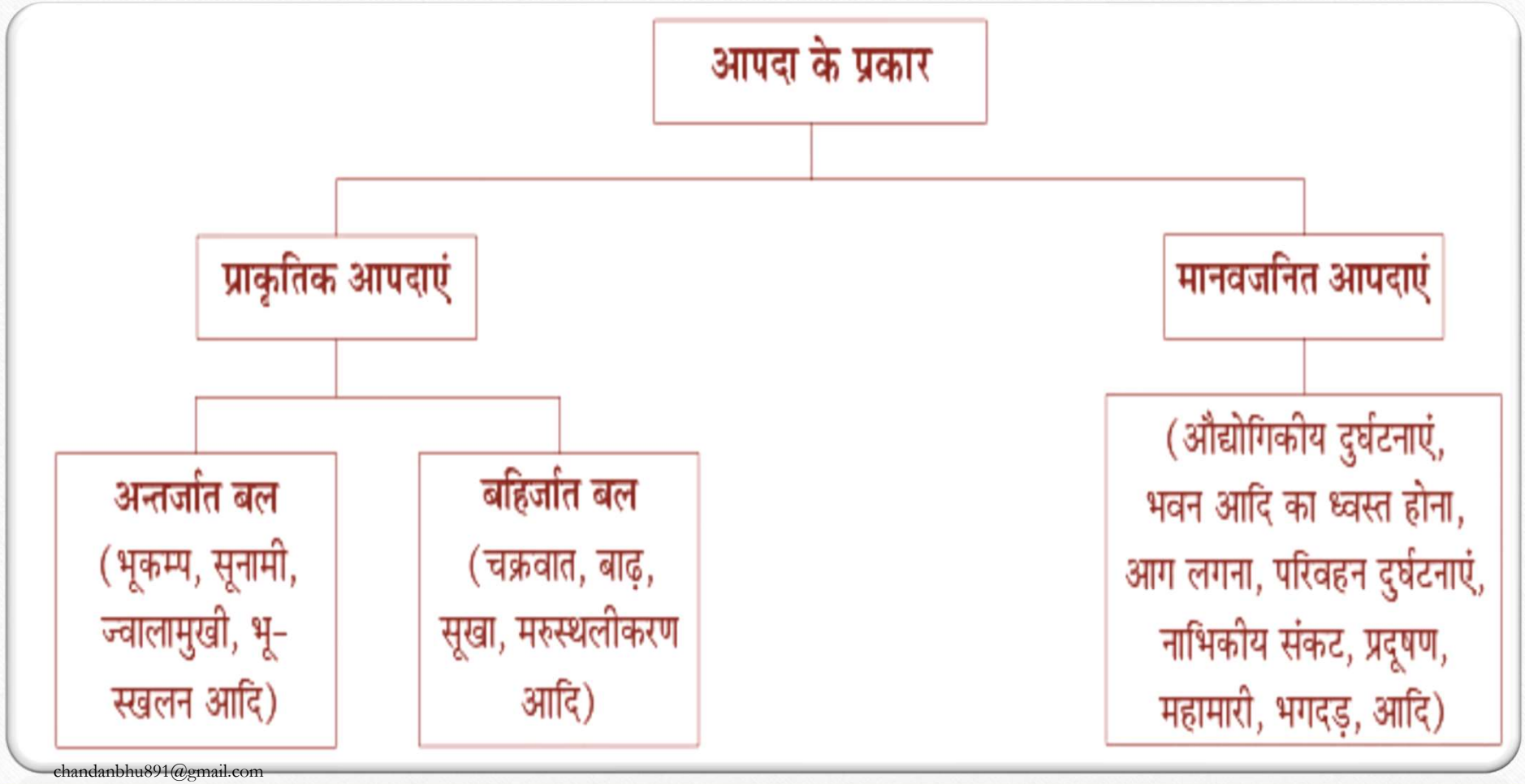

chandanbhu891@gmail.com

प्राकृतिक आपदा

ज्वालामुखी विस्फोट

ज्वालामुखीय विस्फोट तब होते हैं जब उच्च दबाव के कारण पृथ्वी की सतह पर मेग्मा को धकेल दिया जाता है।

हिमस्खलन

एक हिमस्खलन तब होता है जब बर्फ और बर्फ के एक बड़े पैमाने पर उच्च गति पर एक पहाड़ी क्षेत्र स्लाइड।

तूफान

तूफान, जिसे टायफून या उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के रूप में भी जाना जाता है, विशाल, घूमता, उष्णकटिबंधीय तूफान हैं जो बहुत अधिक हवा की गति से जुड़े हैं।

गर्मी की लहर

एक गर्मी की लहर अत्यधिक नमी के साथ अत्यधिक उच्च तापमान की अवधि होती है।

सूखा

सूखा तब होता है जब किसी क्षेत्र में वर्षा औसत से कम होती है, जहां पानी की आपूर्ति पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

जंगल की आग

वन जंगल के रूप में भी जाना जाता है, जंगल की आग में बड़ी अनियंत्रित आग होती है, जो सूखे वनस्पति द्वारा प्रेरित होती है। अक्सर एक सूखे के साथ जंगल की आग लग जाती है

बर्फानी तूफान

बर्फ़ीला तूफ़ान खतरनाक बर्फ के तूफान का एक प्रकार है जहां कम से कम गति के साथ शक्तिशाली हवाएं हैं35 मील प्रति घंटे (56 किलोवाट)।

बाढ़

एक बाढ़ है जहां जमीन सामान्य रूप से शुष्क होने पर पानी से आती है। यह तब होता है जब बड़ी मात्रा में वर्षा या पिघलती हुई बर्फ का पानी बहने के कारण होता है।

बवंडर

टॉर्नेडो को ट्विस्टर, बवंडर या चक्रवात के रूप में भी जाना जाता है वे तेजी से चलती हवा का एक फ़नल है जो जमीन के संपर्क में हैं।

भूस्खलन

भूस्खलन में तेजी से बढ़ते भूमि शामिल है जो ढलान नीचे स्लाइड करता है।

chandanbhu891@gmail.com

THANK YOU

chandanbhu891@gmail.com